श्री. शांतिलालजी मुथ्था
संस्थापक, BJS

BJS ई-बुलेटीन 2020

Edition 25, 29th April 2020

JAINS FOR INDIA
BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

संपादक की कलम से

प्रिय स्नेहीजन,

कोरोना को लेकर चीन पर उंगली उठाने का सिलसिला जोर पकड़ रहा है. अब अमेरिका के साथ जर्मनी, इंग्लैण्ड, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देश जुड़े हैं, जो चीन पर जानकारी छिपाने का आरोप लगा रहे हैं. इन देशों का कहना है कि चीन ने यदि पारदर्शिता दिखाते हुए समय से विश्व को जानकारी दी होती तो बड़ी संख्या में न तो लोग मरते और न ही अर्थतंत्र को नुकसान हुआ होता. देखते हैं कि ऊंट किस करवट बैठता है. दूसरी तरफ यह कहीं जैविक युद्ध तो नहीं है, इस विषय को लेकर भी चीन को संशय की दृष्टि से देखा जा रहा है. वास्तविकता क्या है, यह तो समय के गर्त में छिपा है.

BJS Family Summit face book live page पर 25 अप्रेल को Leveraging Technology for business growth विषय पर Sh. Naveen Kumar Bhansali, ने संवाद प्रस्तुत किया, जिसे लिपिबद्ध कर आप सभी साथियों के पठन हेतु इस अंक में प्रकाशित कर रहे हैं.

निरंजन जुंवा जैन
सदस्य - BJS राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति

दिए लिंक को क्लिक करे

BJS FAMILY SUMMIT Live Face book Series

DAY 25

April 25

Leveraging Technology for business growth

Sh. Naveen Kumar Bhansali, Founder-Director, Awesomestats. Visiting Faculty (IIM Bangalore & Amity) and Startup Mentor

व्यवसाय विकास के लिए क्या महत्वपूर्ण है? व्यवसाय में technology का क्या महत्व है? आपके व्यवसाय या उद्योग को 4.0 लेवल तक ले जाने के लिए मुख्य आधार स्तंभ कौन से हैं? Step by step 3.0 से 4.0 तक किस तरह पहुंचा जा सकता है?

हारवर्ड बिज़नेस स्कूल के प्रोफेसर माइकल पोर्टर का कहना है कि प्रतिस्पर्धा और लाभांश का फैक्टर, निम्न 5 मुद्दों पर आधारित रहता है:

- व्यवसाय में नए प्रतियोगियों के प्रवेश की आशंका.
- व्यवसाय में नए और विविध उत्पादों के आगमन की आशंका जो आपके उत्पादों का विकल्प हो
- प्रतिस्पर्धक की प्रतिद्वंद्विता
- ग्राहक की मोलभाव करने की क्षमता
- सप्लायर की मोलभाव करने की क्षमता

व्यवसाय विशेष में नए व्यापारियों के आगमन से लाभांश पर असर होता है. प्रतिस्पर्धा के युग में वस्तुएं या उत्पाद जिनका व्यापार है, उनके सामने नए और विकल्पित उत्पादों का बाजार में चलन बढ़ना. प्रतिद्वंदिता जैसे एयर बस और बोईंग या ओला और उबेर कम्पनियों के मध्य रहती है. ग्राहक व सप्लायर उनकी शर्तों पर माल खरीदें या बेचें या उनका एकाधिकार हो आदि तो व्यवसाय या कम्पनी के लाभांश पर विपरीत प्रभाव पड़ता है. किन्तु व्यवसाय में लाभांश की इस अवधारणा में टेक्नोलॉजि को सम्मिलित नहीं किया गया है. हो सकता है कि 3.0 स्तर की कम्पनियों के लिए यह अवधारणा उपयुक्त हो, किन्तु 4.0 स्तर वाली कम्पनियों के लिए यह अवधारणा उपयुक्त नहीं लगती. अब तो टेक्नोलॉजि स्वयं ही व्यवसाय बनती जा रही है.

18वीं शताब्दी के अन्तिम दशकों में स्टीम इंजन, कृषि और यंत्रीकरण (Mechanisation) आदि अस्तित्व में आये या अविष्कार हुआ, जिसमें बहुत कुछ हस्तचलित (Manual) होता था. इस काल को हम 1.0 के नाम से जानते हैं. इसके लगभग 100 वर्ष पश्चात सन 1870 के आसपास औद्योगिक क्रांति हुई. विशाल पैमाने पर उत्पादन शुरु हुए. इस काल को हम 2.0 कहेंगे. 1970 के आसपास से हम आज जहां हैं इसे 3.0 काल या

Contd...

https://youtu.be/Ul0nBYobXJ8
https://youtu.be/1XPN-upJQWk

BJS द्वारा संचालित आपके द्वार मोबाइल डिस्पेंसरी सेवा पर एक विडिओ फ़िल्म देखें

स्तर कहते हैं जिसमें टेक्नोलॉजि अस्तिव में आयी और उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा बनने लगी. इसमें स्वयंचालित क्रिया (ऑटोमेशन),कंप्यूटर, इंटरनेट, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाईल आदि को प्रमुखता से गिनाया जा सकता है. इन तीनों कालों में एक साम्यता थी कि एक से दूसरे काल में प्रवेश हेतु लगभग 100 वर्ष का समय लगा. किन्तु 4.0 काल में प्रवेश करने हेतु मात्र 20 या 30 वर्ष ही लगे. अब एक ही जनरेशन में एक से अधिक revolution होने लगे है. जिस तीव्र गति से इनोवेशन हो रहे हैं, उसके कारण व्यवासाय के तौर तरीके सम्पूर्ण रूप से बदल रहे हैं. अब यह संभव नहीं होगा कि एक ही व्यवसाय या फैक्टरी को 2-3 पीढ़ियां चलाती रहें. व्यवसाय के 4.0 काल का शुभारंभ हो चुका है. इसके मुख्य आधार स्तंभ में टेक्नोलॉजि है, जिसका प्रभाव व्यवसाय पर स्पष्टरूप से दिखाई देता है. उसमें लगातार लर्निंग करना पड़ेगा. पहले 2G, फिर 3 G और उसके बाद 4G आया higher band width की वजह से इंटरनेट और फेस बुक आदि ठीक से प्रयोग कर सके या कर रहे हैं. 5G टेक्नोलॉजि से real time information मिलेगी. उद्योगों के लिए बहुत अधिक परिवर्तन होगा. रोबोट तो 3G टेक्नोलॉजि में भी कार्यरत थे, विशेषकर ऑटोमोबाईल इंडस्ट्री में. कार उत्पादन में उनका प्रयोग गत कुछ वर्षों से हो रहा है. किन्तु अब घर की सफाई रोबॉट करने लगेंगे, उनके अनुरूप घरों की डिज़ाइन भी बदल जाएगी. रेस्टॉरेंट में वेटर की जगह रोबॉट डिलीवरी करने लगे हैं. Dron जिसका उपयोग पहले विवाह इत्यादि अवसर पर फोटोग्राफी के लिए होता था अब कोरोना काल में इसकी बहुउपयोगिता से हम सभी अवगत हैं.

3D प्रिंटर का उपयोग manufacfuring इंडस्ट्री में हो रहा है. छोटे छोटे componenets बनाने के लिए. यह एक नया और अलग अनुभव दे रहा है. खिलौनों के कल पुर्जे बनाने में काम आ रहा है. USA में तो घरों में 3D प्रिंटर का उपयोग होने लगा है. अब नवीन Block Chain नामक टेक्नोलॉजि इंटरनेट से व्यापक और पारदर्शक है. सारी टेक्नॉलॉजियाँ एक तरफ और Block Chain दूसरीं तरफ. यह महत्वपूर्ण transformative टेक्नोलॉजि है जो व्यवसाय को नया स्वरूप देगी. यह digitized decentralized पब्लिक लेजर है. यह money exchange का platform हैं जिसमें Customer से सीधे संपर्क रहेगा. दूसरा यह कि एप्लिकेशंस education को पुनर्परिभाषित करने लगी है. हम किताबें पढ़ते तो हैं, किन्तु समझ नहीं पाते या अनुभव नहीं कर पाते. अब augmented reality एप्लीकेशन से virtual क्लासेज में पढ़ सकेंगे और ऐसा अनुभव करेंगे कि classroom में बैठे हैं. Gamming में अलग ही अनुभव होगा जैसे कि आप battle field में हैं.

4.0 में प्रारम्भ हुए उपक्रम में टेक्नोलॉजी ही व्यवसाय है. Ola व Uber भले ही टैक्सी उपलब्ध करवाते है किन्तु technology के बिना उनका अस्तित्व संभव ही नहीं है. GPS, SMS तथा Internet आदि collectively प्रयोग होते हैं और इन टेक्नोलॉजी के बिना इन्डस्ट्री की कल्पना नहीं की जा सकती. इन industry में क्या रॉ मेटिरियल लगता है? Data ही उनका रॉ मेटिरियल है. सऊदी अरब क्रूड ऑइल की वजह से धनवान देश है. किन्तु जिनके पास data है वह ज्यादा धनवान है. जो कम्पनियां पहले स्टॉक मार्केट या क्रूड ऑयल में निवेश करते थे आज data में करते हैं. फेसबुक या व्हाट्सऐप के पास 40 से 50 करोड़ लोगों का data है. रिलायंस को इसमें जोड़ दें तो 40 करोड़ लोगों का data और जुड़ जाएगा. टेक्नोलॉजी और data का महत्व बढ़ता ही जा रहा है.

Artificial Intelligence टेक्नोलॉजी प्रसिद्ध हो चुकी है. Machine learning तथा Artificial Intelligence आज की बिजली(Electricity) है, जिनके बिना चला नहीं पाएंगे. Machine learning तथा Artificial Intelligence है क्या? Machine को इंसानों की तरह काम करना सिखाना. मनुष्य के तौर तरीकों को उन्हें सीखने देना, उन्हें observe करने देंना, जैसे बच्चे माता पिता को observe करके सीखते हैं. Machine इंसान के behaviour को learn करने लगती है और इंसानों की तरह react करने लगती है. किस तरह Artificial intelligence को हम हमारे व्यवसाय में transform कर सकते हैं या 3.0 से 4.0 पर कैसे shift करें :

1. Data कलेक्शन करें. डिजिटल presence की आवश्यकता रहेगी. होटल व्यवसाय में हैं तो आपके वाईफाई spots से

BJS FAMILY SUMMIT Live Face book Series
DAY 25 — April 25

ग्राहक के वाईफाई spots को जोड़कर जानकारी (information) एकत्रित करें. आप रिटेल ब्यवसाय में हैं तो ERP सिस्टम से तथा उत्पादन में हैं तो censor से real time informarion capture करें.

2. Business Intelligence से रिपोर्ट्स आदि प्राप्त करें. किस ग्राहक की वजह से sale बढ़ी है या कम हुई है. Loopholes को identify करना.
3. Business optimization & Automation से data analyses द्वारा cost cutting व wastage पर नियंत्रण करना.
4. Business Monetization. Cross selling से नई रेवेन्यु के अवसर प्राप्त करें. नए उत्पाद में जाएं
5. Scalling up. व्यवसाय वृद्धि तथा Multi location व्यवसाय में Artifcial Intelligence का प्रयोग करना.

इन सभी steps या stages में technology समाहित है, जिसके बिना 4.0 की कल्पना नहीं की जा सकती.

Post Covid-19 काल के प्रारंभ में ग्राहक आपके establishment पर नहीं आने वाले. Social distancing के कारण तरीके बदलेंगे. टेक्नोलॉजी प्रयोग से घर बैठे ग्राहक को supply कर सकेंगे. अभिभावक उनके बच्चों को 6 से 8 महीने सुरक्षा की दृष्टि से शायद स्कूल न भेजें. Virtual classroom टेक्नोलॉजी के प्रयोग से operational issues settle किये जा सकेंगे. बहुत सारे अवसर कोरोना की वजह से मिलने वाले हैं. यदि आप 4.0 व्यवसाय में जाना चाहते हैं , तो

1. क्या आप risk उठाने को तैयार है
2. क्या आप टेक्नोलॉजी में invest करने को तैयार हैं
3. क्या आप new digital talent को utilize करने की स्थिति में हैं
4. क्या आप culture change of innovation को समझकर continuous learning कर सकेंगे.

यह समय technology updatation से व्यवसाय की immunity बढ़ाने का है.

To view all videos : : **bit.ly/BJSPune**

BJS MISSION DOCTOR AT YOUR DOORSTEP — Free Mobile Dispensary Seva

MCC, BJS and JITO Mobile Dispensary Seva, Mysuru